Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

अध्याय - 4 | हरिद्वार (भारतेंदु हरिश्चंद्र)

QUIZ PART-04

1. **लेखक के साथ ग्रहण स्नान के समय कौन साथी थे?**
   A. कृपा राम
   B. भारामल
   C. कल्लू जी
   D. दीवान जी (C)

व्याख्या : गद्यांश में उल्लेख है कि लेखक के साथ कल्लू जी थे, जो परमानंदी थे।

2. **गंगा तट पर भोजन किस पर परोसा गया था?**
   A. सोने की थाल पर
   B. चाँदी की थाल पर
   C. पत्थर पर
   D. पीतल के बर्तन में (C)

व्याख्या : लेखक ने गंगा जी के तट पर पत्थर पर भोजन परोसकर किया।

3. **लेखक ने पत्थर पर किए भोजन की तुलना किससे की?**
   A. सोने की थाल के भोजन से
   B. रजत पात्र से
   C. महल के भोज से
   D. स्वर्ण थाल और चाँदी के थाल से (A)

व्याख्या : लेखक ने पत्थर पर किए भोजन का सुख सोने की थाल के भोजन से भी अधिक बताया है।

4. **हरिद्वार की कुशा की विशेषता क्या बताई गई है?**
   A. कठोर और मोटी होती है
   B. सुगंधमय होती है
   C. रंगीन होती है
   D. अनुपयोगी होती है (B)

व्याख्या : गद्यांश में बताया गया है कि यहाँ की कुशा से दालचीनी और जायफल जैसी सुगंध आती है।

5. **गद्यांश में हरिद्वार की घास की तुलना किससे की गई है?**
   A. मोतियों से
   B. सुगंधित दालचीनी व जायफल से
   C. चंदन से
   D. कमल से (B)

व्याख्या : पाठ में हरिद्वार की घास को दालचीनी और जायफल जैसी सुगंधयुक्त बताया गया है।

6. **ग्रहण के समय लेखक ने क्या किया?**
   A. केवल विश्राम किया
   B. गंगा स्नान किया
   C. यात्रा की
   D. प्रवचन दिया (B)

व्याख्या : गद्यांश में लिखा है कि ग्रहण के समय लेखक ने आनंदपूर्वक स्नान किया।

7. **दिन में लेखक ने किसका पारायण किया?**
   A. रामायण
   B. महाभारत
   C. श्री भागवत
   D. गीता (C)

व्याख्या : पाठ में उल्लेख है कि दिन में श्री भागवत का पारायण किया गया।

8. **पत्थर पर भोजन करते समय लेखक के मन में क्या उत्पन्न होता था?**
   A. क्रोध
   B. लोभ
   C. ज्ञान, वैराग्य और भक्ति
   D. भय (C)

व्याख्या : गद्यांश में बताया गया है कि उस समय लेखक के चित्त में ज्ञान, वैराग्य और भक्ति का उदय होता था।

9. **हरिद्वार में झगड़े-लड़ाई की स्थिति कैसी थी?**
   A. बहुत अधिक थी
   B. कभी-कभी होती थी
   C. नाम मात्र भी नहीं था
   D. सामान्य थी (C)

व्याख्या : लेखक ने लिखा है कि वहाँ झगड़े-लड़ाई का कहीं नाम भी नहीं था।

10. **लेखक ने हरिद्वार की भूमि को किस प्रकार की भूमि बताया है?**
    A. व्यापारिक भूमि
    B. युद्धभूमि
    C. पुण्यभूमि और विरक्त साधुओं के सेवन योग्य
    D. मनोरंजन स्थल (C)

व्याख्या : गद्यांश में हरिद्वार को पुण्यभूमि और विरक्त साधुओं के सेवन योग्य बताया गया है।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App